

कार्यालय भू-प्रकल्प आगुस्त, राजस्थान, जयपुर।
क्रमांक-भूमिआ/सु/भूकर/11/8/1/85/पार्ट-III/2913 दिनांक:- 25.10.2000

-: पारपत्र :-

प्रायः यह देखने में आया है कि जिन तहसीलों में पूर्ण सर्वेक्षण कार्य कराये जाने के निर्देश दिये गये हैं उन तहसीलों के ग्रामों के लिए भी भू-प्रकल्प अधिकारीगण राजस्व विभाग से तरमीम प्राप्त करने हेतु पत्र व्यवहार कर रहे हैं, जबकि पूर्ण सर्वे में राजस्व विभाग को अन्तिम जमाबन्दी, राजस्व नामान्तरकरण जिल्द एवं पटवारी का बालू नक्शा पटवार लक्ष्णा अभिलेख तैयारी कार्य के समय भूमापक/निरोहकों द्वारा लिया जाता है। फिर उक्त पूर्ण सर्वे हेतु धो गई तहसील में पृथक से पटवार तरमीम वाहने का क्या औचित्य है। जिन खतरा नम्बरों में आवंटन/नियमन हुआ है और उन आवंटन/नियमन को पटवार नक्शों में तरमीम नहीं है तो मौके अनुसार उक्त क्षेत्र का सर्वेक्षण करवाया जाकर यदि आवंटन/नियमन से मौके पर कृषक का कब्जा अधिक भूमि पर है तो अधिक रकबे को काटकर उतमें पृथक नम्बर डालकर तत्वावक में दर्ज कर दिया जाये। यदि मौके पर आवंटन/नियमन से कृषक का कम भूमि पर कब्जा है या अन्य खतरा नम्बर पर है तो उक्त प्रकरण तैयार कर विभागीय अधिकारियों के माध्यम से जिला कलेक्टर को निस्तारण हेतु प्रेषित कर दें। यदि जिला कलेक्टर से इतका निर्णय होकर कोई सूचना/आदेश एक माह में प्राप्त हो जाती है तो तदनुसार कार्यवाही करें, अगर एक माह तक प्राप्त नहीं होती है तो प्थात्थिति अभिलेख एवं नक्शों तैयार कर राजस्व विभाग को भू-प्रकल्प तंक्रियायें बन्द होने के तुरन्त बाद सम्पना दिया जाये। इस आशय को एक सूची अन्तिम अभिलेख तथा भिन्नवादी जावे एवं इस आशय का एक नोट भी भू-प्रकल्प अभिलेख में अंकित कर दिया जाये। उक्त प्रकरणों में किसी प्रकार को कार्यवाही बाद में होती है तो जिला कलेक्टर अपने स्तर से अभिलेखों/नक्शों में परिपतन कराएंगे। यह उनको स्वयं को जिम्मेदारो है। पटवार तरमीम के अभाव में किसी भी स्तर में कार्य बन्द नहीं किया जाये।

जिन तहसीलों में केवल तरमीम सर्वेक्षण हो कराये जाने को कार्यवाही भू-प्रकल्पधीन है उन तहसीलों के लिए ही पटवार तरमीम मांगी जाये। पूर्ण सर्वे में नहीं। समस्त भू-प्रकल्प अधिकारीगण उक्त पारपत्र के अनुसार कार्यवाही करें।

भू-प्रकल्प आगुस्त,
राजस्थान, जयपुर।
दिनांक:- 25.10.2000
क्रमांक-भासंवेक/ 2913 - 2928
प्रतिलिपि:- भू-प्रकल्प अधिकारी ~~सुस्त~~ सूचनार्थ एवं पालनार्थ।

भू-प्रकल्प आगुस्त,
राजस्थान, जयपुर।